SSLC Model Exam. Hindi Mar. 2021

सूचनाः 'बीरबहूटी' कहानी का यह अंश पढ़ें और 1 से 4 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

बादल बहुत बरस लिए थे। फिर भी बहुत सारा पानी उनमें बचा हुआ था। वे खेतों, जंगलों के ऊपर छाए हुए थे। सारा आकाश मेघों से भरा था। मेघों की छायाओं में गीली हवाएँ इधर-उधर घूम रही थीं। पेड़ों के तने अभी भी गीले थे।

1. बहुत सारा पानी उनमें बचा हुआ था। किनमें? 1
   उः बादलों में

2. 'उनमें' में निहित सर्वनाम कौन-सा है? (यह, वह, ये, वे) 1
   उः वे

3. अभी-अभी हुई बारिश का वर्णन कहानीकार ने कैसे किया है? 3
   उः बादल बहुत बरस लिए थे। फिर भी बहुत सारा पानी उनमें बचा हुआ था। वे खेतों, जंगलों के ऊपर छाए हुए थे। सारा आकाश मेघों से भरा था। मेघों की छायाओं में गीली हवाएँ इधर-उधर घूम रही थीं। पेड़ों के तने अभी भी गीले थे। मूँगफलियों के हरे खेतों में पीले फूल अभी भी गीले थे। बाजरे के लंबे पतले पातों में पानी की बूँदें अटकी हुई थीं। बारिश की हवा में गीले खेतों और बारिश की हरियाली की गंध धुली हुई थी।

4. उचित वाक्यांश चुनें, वाक्यों की पूर्ति करें। 5
(पानी से गीले थे, बादलों से भरा हुआ था, बादल छाए हुए थे, चल रही थीं, रंग पीला होता है)

क) खेतों के ऊपर -
ख) गीली हवाएँ -
ग) पेड़ों के तने -
घ) मूँगफली के फूल का-

ङ)

क) खेतों के ऊपर	-	बादल छाए हुए थे।
ख) गीली हवाएँ	-	चल रही थीं।
ग) पेड़ों के तने	-	पानी से गीले थे।
घ) मूँगफली के फूल का-		रंग पीला होता है।
ङ) सारा आसमान	-	बादलों से भरा हुआ था।

सूचनाः 'हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था' पाठ का यह अंश पढ़ें और 5 से 8 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

सड़क पर घायल पड़े अपरिचित व्यक्ति को देखकर क्या हम कह सकते हैं कि उसे हम नहीं जानते? वास्तव में हम जानते हैं कि यह व्यक्ति मुसीबत में है और इसे हमारी मदद की ज़रूरत है। यह कविता मनुष्य को मनुष्य की तरह 'जानने' की याद दिलाती है।

5. कवि के अनुसार मनुष्य को कैसे जानना चाहिए? 1
   उः कवि के अनुसार मनुष्य को मनुष्य की तरह जानना चाहिए।

6. तीन सही प्रस्ताव चुनकर लिखें।

हताश व्यक्ति को जानने का मतलब हैः

क) उसकी हताशा को जानना।

ख) उसकी जाति को जानना।

ग) उसकी मुसीबत को जानना।

घ) उसकी असहायता को जानना।

ङ) उसके नाम, पते और उम्र को जानना।

उः उसकी हताशा को जानना।

उसकी मुसीबत को जानना।

उसकी असहायता को जानना।

7. वाक्य पिरामिड की पूर्ति करें। 2

(सड़क पर, घायल)

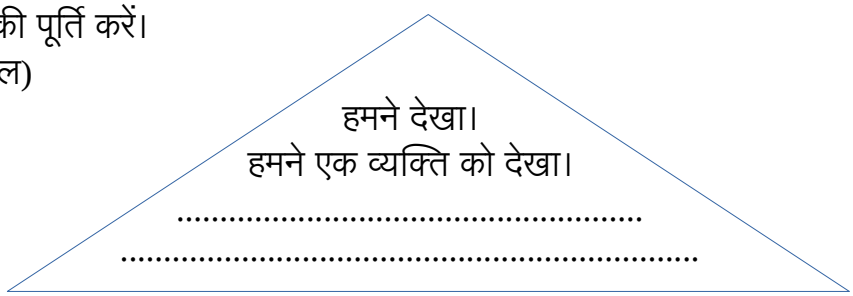

उः

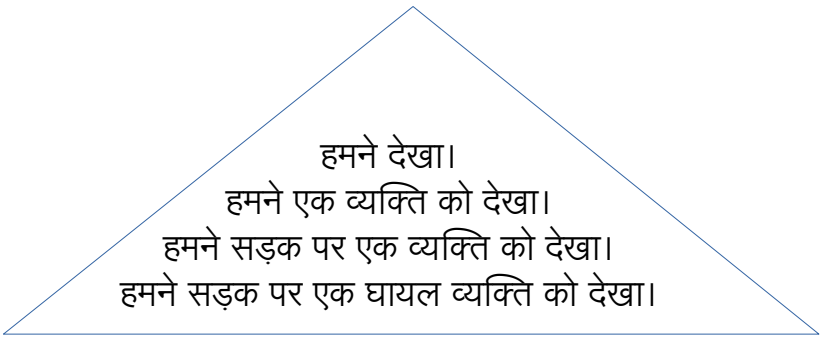

8. असहाय मनुष्य की सहायता करना ज़रूरी है। 'हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था' कविता के आधार पर टिप्पणी लिखें।

उः पहले सहायता करें, फिर जानकारियाँ प्राप्त करें।

'हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था' हिंदी के प्रसिद्ध कवि विनोदकुमार शुक्ल की एक छोटी और चर्चित कविता है। इस कविता के द्वारा कवि पाठकों में मनुष्यता और अनुताप की भावना भरने का प्रयास करते हैं।

हमें अपनी ज़िंदगी में विभिन्न अवसरों में दूसरों की सहायता करने की आवश्यकता पड़ती है। कवि कहते हैं कि हमें किसी भी व्यक्ति की सहायता करते समय उसकी जानकारियाँ प्राप्त करने की ज़रूरत नहीं है। पहले हमें यह जानना है कि व्यक्ति मुसीबत में है और उसे सहायता की सख्त ज़रूरत है। कवि के अनुसार किसी व्यक्ति की सहायता करने के लिए उसके बारे में जानकारियाँ प्राप्त करने की आवश्यकता बिलकुल नहीं है। बल्कि उसकी असहायता, निराशा, हताशा या संकट जानना काफी है।

यह कविता मनुष्य को मनुष्य की तरह जानने की याद दिलाती है। कवि के अनुसार दो मनुष्यों के बीच मनुष्यता का अहसास यानी मानवीय संवेदना होना ज़रूरी है- जानकारियाँ ज़रूरी नहीं हैं। यह कविता बिलकुल अच्छी और प्रासंगिक है।

सूचनाः 'टूटा पहिया' कविता की ये पंक्तियाँ पढ़ें औप 9 से 12 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

मैं रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ
लेकिन मुझे फेंको मत
इतिहासों की सामूहिक गति
सहसा झूठी पड़ जाने पर
क्या जाने
सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय ले!

9. 'लेकिन मुझे फेंको मत' - किसको? (टूटे पहिए को, इतिहास को, सच्चाई को, रथ को) 1
   उः टूटे पहिए को।

10. विशेषण शब्द कौन-सा है? 1
    टूटा पहिया
    उः टूटा

11. टूटा पहिया किसका प्रतिनिधित्व करता है? स्पष्ट करें। 3

'टूटा पहिया' हिंदी के प्रसिद्ध कवि धर्मवीर भारती की एक अच्छी कविता है। इस छोटी कविता में कवि एक टूटे पहिए के माध्यम से उपेक्षित और लघु मानव के महत्व पर बल देते हैं।

कुरुक्षेत्र में अभिमन्यु की रक्षा एक टूटा पहिया ही करता है। रणक्षेत्र में उसकी वीरमृत्यु होते समय चारों ओर दुश्मन थे, अपने पक्ष में बोलने के लिए एक टूटा पहिया मात्र था। प्रजातंत्र में भी एक साधारण व्यक्ति का मत कभी-कभी एक सरकार बदलने के लिए भी कारण बन सकता है। याने किसी गरीब आदमी का मत और किसी करोड़पति का मत दोनों का मूल्य समान है। इस कविता में टूटा पहिया साधारण व्यक्ति का, उपेक्षित आम जनता का प्रतिनिधित्व करता है।

(प्रजातंत्रः ജനാധിപത്യം, मतः വോട്ട്, करोड़पतिः കോടിപതി, വലിയ ധനികൻ)

सूचनाः 'आई एम कलाम के बहाने' फिल्मी लेख का यह अंश पढ़ें और 13 से 17 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

फ़िल्म में हमारे नायक का असल नाम 'कलाम' नहीं है। ढाणी पर काम करनेवाले और बच्चों की तरह उसे भी सब छोटू कहकर बुलाते हैं। उसकी माँ जैसलमेर के किसी सुदूर देहात से आकर उसे भाटी सा की चाय की धड़ी पर काम करने के लिए छोड़ जाती है। वह अंग्रेज़ी तो क्या हिंदी भी ठीक से नहीं जानती। लेकिन छोटू सिर्फ छोटू होकर नहीं जीना चाहता। वह खुद ही अपना नाम 'कलाम' रख लेता है।

13. सही वाक्य चुनकर लिखें। 1

क) कलाम ढाणी पर काम करती हैं।
ख) कलाम ढाणी पर काम करती है।
ग) कलाम ढाणी पर काम करती हूँ।
घ) कलाम ढाणी पर काम करता है।

उः कलाम ढाणी पर काम करता है।

14. माँ कलाम को चाय की धड़ी पर क्यों छोड़ जाती है? 1

क) अंग्रेज़ी पढ़ने के लिए ख) काम करने के लिए
ग) हिंदी पढ़ने के लिए घ) कलाम बनने के लिए

उः काम करने के लिए

15. छोटू खुद ही अपना नाम कलाम रख लेता है। क्यों? 3

उः छोटू सिर्फ छोटू होकर नहीं जीना चाहता। वह खुद ही अपना नाम 'कलाम' रख लेता है। इस नाम में उसकी आकांक्षाओं का अक्स है। वह खुद कलाम के जैसा महान बनना चाहता है। वह लड़का बहुत गरीब तो है, लेकिन वह सभी से बातें करता है, उनकी भाषा सीख लेता है, खुद पढ़ाई भी करना चाहता है। स्कूल जानेवाले बच्चों को देखना उसे बहुत पसंद है। रणविजय से जो दोस्ती हुई, उसका सदुपयोग भी वह करना चाहता है। लूसी मैडम की सहायता से वह अंग्रेज़ी भी पढ़ता है, फ्रेंच भी। कहीं भी किताब मिले उसके प्रति विशेष तत्परता दिखाता है। वह अपना नाम कलाम रख लेता है और कलाम जैसा बनना भी चाहता है।

16. कलाम को चाय की धड़ी पर छोड़कर जाने के प्रसंग पर माँ और भाटी सा के बीच में क्या बातचीत हुई होगी? कल्पना करके लिखें। 5

उः छोटू की माँ - भाटी साः बातचीत
छोटू की माँः मैं इस लड़के की माँ हूँ। इसे आपकी दुकान में काम पर रखने की कृपा कीजिए।
भाटी साः आप कहाँ से आ रही हैं? यह क्या काम जानता है।
छोटू की माँः मैं जैसलमेर के पासवाले एक गाँव से आती हूँ। आप कोई भी काम दे यह अच्छी तरह करेगा। मैं अपनी गरीबी से इस बच्चे को बचाना चाहती हूँ। आप मेरी मदद कीजिए।
भाटी साः मैं इसे कितने रुपए दे दूँ? छोटा लड़का है।
छोटू की माँः आप कुछ भी दीजिए, इसे अपने पास रखने की कृपा करें।
भाटी साः ठीक है। एक महीना देख लेता हूँ। ठीक है तो अपने पास ही रख लूँगा।
छोटू की माँः बड़ी मदद होगी साहब।
भाटी साः अंदर आओ बेटा, अपने सामान रख लो, काम शुरू करो।
छोटू की माँः धन्यवाद जी।
भाटी साः ठीक है।

17. इस प्रसंग के आधार पर छोटू की डायरी लिखें। 5

उः

तारीखः.....

आज मैं अपनी माँ के साथ गाँव से भाटी सा की चाय की धड़ी में आया। मुझे छोड़के मेरी माँ गाँव चली गई। मेरे घर की गरीबी ने मुझे यहाँ पहुँचाया। आगे मुझे भाटी सा के साथ रहना पड़ेगा, यहाँ काम करना भी पड़ेगा। मैं अपना नाम बदलना चाहता हूँ। मैं राष्ट्रपति कलाम को बहुत पसंद करता हूँ, मैं उनका आदर करता हूँ। मैं उनके जैसे महान बनना चाहता हूँ। लेकिन सबसे पहले पढ़ाई होनी चाहिए। अन्य बच्चों की तरह स्कूल जाकर पढ़ाई करने का अवसर मुझे कब मिलेगा। यदि भाटी सा मेरी सहायता करेंगे तो मैं किसी न किसी तरह थोड़ा-थोड़ा पढ़ना भी चाहता हूँ। जो भी हो मैं अपना प्रयास जारी रखूँगा। आज का दिन मेरी जिंदगी में एक अविस्मरयणीय दिन होगा। (अविस्मरणीयः മറക്കാന് പറ്റാത്ത)

सूचनाः सबसे बड़ा शो मैन जीवनी का यह अंश पढ़े और 18 से 22 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

> गाना अभी आधा ही हुआ था कि स्टेज पर पैसों की बौछार शुरू हो गई। चार्ली ने गाना रोक दिया और घोषणा की कि पहले मैं यह पैसे बटोरूँगा और उसके बाद ही गाऊँगा। इस बात ने हॉल को हँसी घर में तब्दील कर दिया।

18. सही वाक्य चुनकर लिखें। 1

क) चार्ली गीत गानी लगे। ख) चार्ली गीत गाना लगे।

ग) चार्ली गीत गाने लगा। घ) चार्ली गीत गाने लगी।

उः चार्ली गीत गाने लगा।

19. 'पहले मैं ये पैसे बटोरूँगा।' ऐसा किसने कहा/ 1

उः चार्ली ने

20. हॉल हँसी घर में कैसे तब्दील हो गया? 2

उः स्टेज पर पैसों की बौछार शुरू होने पर बच्चा चार्ली ने गाना रोक किया और घोषणा की कि पहले मैं ये पैसे बटोरूँगा और फिर गाऊँगा। इस बात ने हॉल को हँसीघर में तब्दील कर दिया।

21. इस प्रसंग के आधार पर पटकथा का एक दृश्य लिखें। 5

उः

दृश्यः

स्थानः संगीत कार्यक्रम के एक हॉल में।

समयः शामको सात बजे।

पात्रः 1. चार्ली, करीब 5 साल का लड़का, पतलून और कमीज़ पहना है।

2. चार्ली की माँ, 40 साल की औरत, गाउन पहनी है।

3. मैनेजर, 50 साल का आदमी, पतलून और कमीज़ पहना है।

4. हॉल भर में दर्शक शोर मचा रहे हैं।

(चार्ली स्टेज पर अकेले खड़ा है, एक कोने में मैनेजर भी है)

संवादः

चार्लीः प्यारे श्रोताओ, मैं आपके सामने एक गीत प्रस्तुत करना चाहता हूँ।

दर्शकः (समवेत स्वर में) सुनाओ।
स्टेज पर यह मेरा पहला अनुभव है, आप मेरी सहायता कीजिएगा।
दर्शकः ठीक है, सुनाओ।
(चार्ली गीत गाने लगता है, दर्शक थोड़ा-सा शांत होते हैं।)
(समवेत स्वर में: ഒന്നിച്ച്, कीजिएगाः സഹായിച്ചേക്കണേ)

22. 'चैप्लिन स्मृति मंच' के नेतृत्व में 16 अप्रैल 2021 को चैप्लिन दिवस पर दिल्ली करोलबाग में 'सर्कस फ़िल्म का समकालीन महत्व' विषय पर संगोष्ठी होनेवाली है। इसके लिए एक पोस्टर तैयार करें। 5

चैप्लिन स्मृति मंच, नई दिल्ली
चैप्लिन दिवस (16 अप्रैल 2021) पर
शामको 5 बजे
करोल बाग के चौधरी भवन में
संगोष्ठी का आयोजन करता है
विषय- **सर्कस फ़िल्म का समकालीन महत्व**
उद्घाटनः बिहारीलाल गुप्त आई ए एस
सर्कस फ़िल्म का प्रदर्शन भी होगा।
सबका स्वागत है
संयोजक

(प्रदर्शनः പ്രദർശനം, संयोजकः കൺവീനർ)

सूचनाः 'ठाकुर का कूआँ' कहानी का यह अंश पढ़ें और 23 से 25 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

> कुप्पी की धुँधली रोशनी कुएँ पर आ रही थी। गंगी जगत की आड़ में बैठी मौके का इंतज़ार करने लगी। इस कुएँ का पानी सारा गाँव पीता है। किसी के लिए रोक नहीं, सिर्फ ये बदनसीब नहीं भर सकते।

23. 'सिर्फ ये बदनसीब नहीं भर सकते'- यहाँ बदनसीब कौन हैं? 1
क) निम्न जाति के लोग। ख) साहू लोग।
ग) ठाकुर लोग। घ) ज़मींदार लोग।
उः निम्न जाति के लोग

24. 'इस कुएँ का पानी सारा गाँव पीता है।' - किस कुएँ का? 1
उः ठाकुर के कुएँ का

25. यह प्रसंग किस सामाजिक व्यवस्था की ओर संकेत करता है? स्पष्ट करें। 3
उः यह प्रसंग जातीय असमानता की समस्या की ओर संकेत करता है। मनुष्य जन्म से नहीं कर्म से महान बनता है। जाति के नाम पर लोगों को उच्च और निम्न मानना अन्याय है। जातीय असमानता एक सामाजिक अभिशाप है। यह सामाजिक विकास में बड़ा बाधा उत्पन्न करती है। सभी लोगों को अच्छी शिक्षा मिलने पर एक हद तक यह समस्या दूर हो जाएगी। लेकिन आज भी हमारे देश में जाति के नाम पर हमले

होते हैं, हत्या तक होती है। मुंशी प्रेमचंद अपनी कहानी 'ठाकुर का कुआँ' में गंगी नामक पात्र के द्वारा जातीय असमानता के खिलाफ़ अपना विचार प्रस्तुत करते हैं।
(सामाजिक अभिशापः സാമൂഹ്യ ശാപം, बाधाः തടസ്സം, हमलेः ആക്രമണങ്ങൾ)

सूचनाः 'बसंत मेरे गाँव का' लेख का यह अंश पढ़ें और 26 से 28 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

फूलदेई की विदाई के साथ बसंत का यह उत्सब समाप्त हो जाता है। अंतिम दिन इकट्ठी की गई सामग्री से सामूहिक भोज बनाया जाता है। इस आयोजन में बड़ों की भूमिका केवल सलाह देने तक सीमित होती है। बाकी सारे काम बच्चे करते हैं। उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में फूलदेई से बड़ा बच्चों का कोई दूसरा त्यौहार नहीं है।

26. फूलदेई किसका त्यौहार है? 1
(बड़ों का, स्त्रियों का, युवकों का, बच्चों का)
उः बच्चों का

27. सामूहिक भोज के आयोजन में बड़ों की क्या भूमिका है? 1
उः सामूहिक भोज में बड़ों की भूमिका केवल सलाह देना मात्र होती है। बाकी सारे काम बच्चे करते हैं।

28. हरिद्वार में फूलदेई त्यौहार समाप्त हो गया। इसपर एक रपट तैयार करें। 5
उः

<u>फूलदेई का त्यौहार मनाया गया</u>

हरिद्वारः उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में फूलदेई का त्यौहार मनाया गया। फूलदेई फूलों का त्यौहार है जो बसंत ऋतु में मनाया जाता है। बच्चों ने देर शाम तक फूल चुने। सुबह पौ फटते ही बच्चों की टोलियों ने गाँव भर में घूमकर घरों की देहरियों पर फूलों से सजाया। घरों के लोगों ने बच्चों को दक्षिणा के रूप में दाल, चावल, गुड़ आदि दिए। इन सामानों के उपयोग से अंतिम दिन सामूहिक भोज बनाया गया। सामूहिक भोज की तैयारी में बड़ों की भूमिका सलाह देना मात्र था। फूलदेई त्यौहार के साथ ही औजियों का गायन, चैती गीत आदि भी लोगों को बड़ी खुशी का माहौल प्रदान करते हैं। उनके आगमन से बसंत में संगीत का सुर भी मिल गया। इसके साथ विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी हुआ।

सूचनाः 'दिशाहीन दिशा' यात्रावृत्त का यह अंश पढ़ें और 29 से 31 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

अविनाश ने झट से अपना कोट उतारकर उसकी तरफ़ बढ़ा दिया। कहा, "लो, तुम यह पहन लो। अभी हम लौटकर नहीं चलेंगे। तुम्हें कोई गालिब की चीज़ याद हो, तो सुनाओ।''

29. अविनाश ने कोट उतारकर किसको दिया? 1
क) मोहन राकेश को। ख) बूढ़े मल्लाह को।
ग) गरीब को। घ) भिखारी को।
उः बूढ़े मल्लाह को।

30. यहाँ 'गालिब की चीज़' का तात्पर्य क्या है? 1
उः यहाँ गालिब की चीज़ का मतलब है गालिब की गज़ल।

31. मान लें, भोपाल से लौटकर मोहन राकेश ने शुक्रिया अदा करते हुए अपना मित्र अविनाश को पत्र लिखा। वह पत्र कल्पना करके लिखें। 5

भोपाल स्टेशन में उतरना रात को भोपाल में घूमना
नाव में भोपाल ताल की यात्रा मल्लाह का गज़ल गायन

उः

स्थानः.....,
तारीखः.....।

प्रिय अविनाश,

नमस्ते! आप कैसे हैं? आपके परिवार में सब कैसे हैं? मैं यहाँ ठीक हूँ।

मैं इस पत्र के द्वारा भोपाल की यात्रा के अनुभव के बारे में बताना चाहता हूँ। वास्तव में मेरा लक्ष्यस्थान भोपाल नहीं था। लेकिन आपने उसे बदल दिया। आप मेरा सूटकेस लेकर चले थे। मेरे सामने और कोई उपाय नहीं था, सिर्फ आपके साथ चलना था। आपके साथ भोपाल में घूमने का अनुभव विशेष आनंददायक था। भोपाल झील में उस बूढ़े मल्लाह की नाव में जो सैर हुई थी वह तो विशेष उल्लेखनीय थी। रातको उस बूढ़े मल्लाह के गायन का आस्वादन मैने खूब किया था। मैं इन अच्छे अनुभवों के लिए आपसे कृतज्ञ हूँ। बहुत धन्यवाद।

आपके परिवार को मेरा हैलो बोलना। आपसे फिर मिलने की प्रतीक्षा में।

आपका मित्र,
(हस्ताक्षर)
मोहन राकेश।

सेवा में

श्री अविनाश,
.....
भोपाल।

(उल्लेखनीयः എട്ടത്ത് പറയത്തക്കതായ)

रवि एम., सरकारी हायर सेकंडरी स्कूल कडन्नप्पल्लि, कण्णूर – 670504, 9446427497